

स्मरणीय तथ्य :

व्यवसायिक संगठनों के विभिन्न प्रारूपों की व्याख्या इस प्रकार से है-

एकल स्वामित्व:

- एकल स्वामित्व का मतलब है कि एक व्यक्ति ही व्यवसाय का मालिक होता है, उसका ही प्रबंधन एवं नियंत्रण होता है।
- इसके लाभों में शीघ्र निर्णय, गोपनीयता, प्रोत्साहन, उपलब्धि का अहसास, और स्थापना और बंद करने में स्वीकृति शामिल हैं।
- इसकी सीमाओं में संकीर्ण संसाधन, व्यावसायिक इकाई की सीमित जीवनकाल, सीमित दायित्व, और सीमित प्रबंधन कौशल शामिल हैं।

संयुक्त हिन्दू परिवार व्यवसाय:

- इसमें व्यवसाय का स्वामित्व हिन्दू परिवार के वरिष्ठतम सदस्यों के पास होता है।
- व्यवसाय परिवार द्वारा प्रबंधित किया जाता है, और व्यवसाय का नियंत्रण सबसे बड़े सदस्य द्वारा होता है।
- इसके लाभों में प्रभावशाली नियंत्रण, स्थायित्व, सदस्यों का सीमित दायित्व शामिल हैं।
- संयुक्त हिन्दू परिवार व्यवसाय की सीमाओं में सीमित संसाधन, असीमित कर्ता का दायित्व और सीमित प्रबंधन कौशल शामिल हैं।

साझेदारी:

- साझेदारी फर्म में विभिन्न व्यक्तियों के बीच निवेश, जोखिम, लाभों का बटवारा एवं साथ व्यवसाय के कार्य करने के संबंध में एक अनुबंध होता है।
- इसके लाभों में सरल स्थापना, संतुलित निर्णय, अधिक कोष, और जोखिमों को बाँटना शामिल हैं।
- साझेदारी फर्म की सीमाओं में असीमित दायित्व, सीमित संसाधन, परस्पर विरोध की भावना, निरंतरता की कमी, और जनसाधारण के विश्वास की कमी शामिल हैं।

सहकारी समिति:

- सहकारी समिति एक स्वैच्छिक संगठन है जो सदस्यों के उपयोग के लिए मिलकर काम करता है।
- सदस्यों को वोट की समानता, सीमित दायित्व, स्थायिता, सरकारी सहायता, और सरल स्थापना का लाभ होता है।
- सहकारी समितियों की सीमाओं में सीमित संसाधन, अक्षम प्रबंधन, गोपनीयता की कमी, सरकारी नियंत्रण, और विचारों की भिन्नता शामिल हैं।

कंपनी:

- कंपनी एक कृत्रिम व्यक्तित्व वाली संगठन है जिसका वैधानिक अस्तित्व, सार्वमदुण, और स्वतंत्र उत्तराधिकार

होता है।

- कंपनी के लाभ में सीमित दायित्व, हितों का हस्तांतरण, स्थायी अस्तित्व, और पेशेवर प्रबंधन शामिल हैं।
- कंपनी की सीमाओं में जटिल निर्माण, गोपनीयता की कमी, अनेकानेक नियम, निर्णय में देरी, अल्पतंत्रीय प्रबंधन और हितों के टकराव शामिल हैं।

व्यवसाय संगठन के सही स्वरूप का चयन कुछ महत्वपूर्ण घटकों पर निर्भर करता है, जैसे कि लागत, दायित्व, निरंतरता, प्रबंधन की क्षमता, पूंजी की आवश्यकता, नियंत्रण, और व्यवसाय की प्रकृति।

Things to Remember

A brief explanation of the various forms of business organization is given in the following format:

Sole proprietorship:

Sole proprietorship means that one person owns, manages and controls the business. Its benefits include quick decisions, confidentiality, incentives, a sense of accomplishment, and acceptance in setup and closure. Its limitations include limited resources, limited lifespan of the business unit, unlimited responsibilities, and limited management skills.

Joint Hindu Family Business:

In this the business is owned by the members of the Hindu family. The business is managed by the family, and control rests with the eldest member. Its advantages include effective control, stability, limited liability of members, and helpful growth. Limitations of joint Hindu family business include limited resources, unlimited liability of the Karta and limited management skills.

Partnership:

The partnership constitutes the requirements of investment and risk sharing among different persons in the firm. Its advantages include simple setup, balanced decisions, large funds, and sharing of risks. The limitations of partnership firm include unlimited liability, limited resources, conflict among members, lack of continuity, and lack of public confidence.

Co-operative Society:

A co-operative society is a voluntary organization that works together for the benefit of its members. Members enjoy equality of

voting, limited liability, perpetuity, government support, and simple establishment. Limitations of cooperatives include limited resources, inefficient management, lack of confidentiality, government control, and difference of opinion.

Company:

A company is an organization with artificial personality having legal existence, universal sovereignty and independent succession. The advantages of a company include limited liability, transfer of interests, permanent existence, and professional management. Limitations of the company include complex structure, lack of confidentiality, too many rules, delays in decisions, oligarchic management, and conflicts of interest.

Selecting the right form of business organization depends on some important factors, such as cost, liability, continuity, efficiency of management, capital requirement, control, and nature of business.

बहुवैकल्पिक प्रश्न (MULTIPLE CHOICE QUESTIONS)

1. लाभ का बँटवारा आवश्यक नहीं। यह कथन से सम्बन्धित है।

(a) साझेदारी
(b) संयुक्त हिन्दू परिवार व्यवसाय
(c) एकल स्वामित्व
(d) कम्पनी।

Profit sharing is not necessary. This statement is related to.....

(a) partnership
(b) Joint Hindu family business
(c) sole proprietorship
(d) Company.

2. व्यवसाय का सबसे सरल रूप _____ है।

(a) एकल स्वामित्व (b) साझेदारी
(c) निगम (d) सहकारी

The simplest form of business ownership is a _____.

(a) Sole Proprietorship (b) Partnership
(c) Corporation (d) Cooperative

3. एकाकी व्यापार का कार्य क्षेत्र—

(a) सीमित है (b) असीमित है
(c) व्यापक है (d) उपरोक्त सभी

The scope of sole trading—

(a) Is limited (b) Is unlimited
(c) Is wide (d) All of these

4. कम से कम 10 वयस्क, _____ के मामले में कोई अधिकतम सीमा नहीं।

(a) सहकारी समिति (b) संयुक्त हिंदू परिवार
(c) साझेदारी (d) कंपनी

At least 10 adults, no maximum limit in case of _____.

(a) Cooperative Society
(b) Joint Hindu Family
(c) Partnership
(d) Company

5. साझेदारी का मुख्य नुकसान _____ है।

(a) साझेदारों की असीमित देनदारी
(b) साझेदारों के बीच असहमति
(c) साझा प्रबंधन
(d) समाप्ति की कठिनाई

The main disadvantage of a partnership is _____.

(a) Unlimited liability of the partners
(b) Disagreement amongst partners
(c) Shared management
(d) Difficulty of termination

6. मुनाफ़ा बाँटना ज़रूरी नहीं है। यह कथन _____ को संदर्भित करता है।

(a) कंपनी
(b) एकल स्वामित्व
(c) संयुक्त हिंदू पारिवारिक व्यवसाय
(d) साझेदारी

Profits do not have to be shared. This statement refers to _____.

(a) Company
(b) Sole proprietorship
(c) Joint Hindu family business
(d) Partnership

7. निम्नलिखित में से कौन सा संभवतः कंपनी गठन करने का सबसे महत्वपूर्ण कारण है?

(a) शेयरधारकों की सीमित देनदारी
(b) निवेश के लिए अधिक पैसा
(c) लचीलेपन में वृद्धि
(d) साझा प्रबंधन

Which of the following is probably the most important reason for incorporating a company ?

(a) Limited liability of shareholders
(b) More money for investment

- (c) Increased flexibility
(d) Shared management
8. वह संरचना जिसमें कानून के अनुसार स्वामित्व और प्रबंधन का पृथक्करण होता है, _____ कहलाती है।
(a) एक कंपनी
(b) सभी व्यापारिक संगठन
(c) साझेदारी
(d) एकल स्वामित्व

The structure in which there is a separation of ownership and management as per law is called _____.

- (a) Company
(b) All business organizations
(c) Partnership
(d) Sole proprietorship
9. सदस्यों को उचित दरों पर आवासीय आवास प्रदान करना _____ का उद्देश्य है।
(a) उपभोक्ता सहकारी समितियां
(b) सहकारी साख समितियां
(c) सहकारी आवास समितियां
(d) उत्पादक सहकारी समिति

Provision of residential accommodation to the members at reasonable rates is the objective of _____.

- (a) Consumers cooperative
(b) Credit cooperative
(c) Housing cooperative society
(d) Producers cooperative
10. एक सहकारी समिति में, पालन किया जाने वाला सिद्धांत _____ है।
(a) एक शेयर, एक वोट
(b) एक आदमी, एक वोट
(c) कोई वोट नहीं
(d) एकाधिक वोट

In a cooperative society, the principle followed is _____.

- (a) One share, one vote
(b) One man, one vote
(c) No vote
(d) Multiple votes
11. एकल स्वामित्व का निम्नलिखित में से कौन सा लाभ है?
(a) व्यवसाय शुरू करने में आसानी
(b) अपना खुद का मलिक होना
(c) स्वामित्व का गौरव
(d) उपरोक्त सभी

Which of the following is an advantage of a sole proprietorship?

- (a) Ease of starting a business
(b) Being your own boss
(c) Pride of ownership
(d) All of the above

12. भारत में एकाकी व्यापार का भविष्य—

- (a) अंधकार में है (b) उज्ज्वल है
(c) कोई भविष्य नहीं है (d) इनमें से कोई नहीं

The future of sole trading in India—

- (a) Is dark (b) Is bright
(c) Has no future (d) None of these

13. _____ के मामले में, पंजीकरण अनिवार्य है।

- (a) एकल स्वामित्व (b) साझेदारी
(c) कंपनी (d) इनमें से कोई नहीं

In case of _____, registration is compulsory.

- (a) Sole Proprietorship (b) Partnership
(c) Company (d) None of these

14. एक साझेदार जिसका फर्म के साथ संबंध आम जनता के लिए अज्ञात है, उसे _____ कहा जाता है।

- (a) सक्रिय साझेदार (b) निष्क्रिय साझेदार
(c) नाममात्र का साझेदार (d) गुप्त साझेदार

A partner whose association with the firm is unknown to the general public is called _____.

- (a) Active partner (b) Sleeping partner
(c) Nominal partner (d) Secret partner

15. संयुक्त हिंदू पारिवारिक व्यवसाय में कर्ता के पास _____ है।

- (a) ऋणों के लिए कोई दायित्व नहीं
(b) असीमित दायित्व
(c) संयुक्त दायित्व
(d) सीमित दायित्व

The Karta in the Joint Hindu family business has _____.

- (a) No liability for debts
(b) Unlimited liability
(c) Joint liability
(d) Limited liability

16. सहकारी समितियाँ निम्नलिखित में से किस अधिनियम के तहत अनिवार्य रूप से पंजीकृत हैं:

- (a) कंपनी अधिनियम, 2013
(b) सहकारी समिति अधिनियम, 1922
(c) भारतीय अनुबंध अधिनियम, 1872
(d) सहकारी समिति अधिनियम, 1912

- Cooperative Societies are compulsorily registered under which of the following Act:**
- The Companies Act, 2013
 - The Cooperative Societies Act, 1922
 - The Indian Contract Act, 1872
 - The Cooperative Societies Act, 1912
17. **व्यावसायिक संगठन का वह रूप जो विशेष रूप से भारत में पाया जाता है वह है:**
- एकल स्वामित्व
 - एनजीओ
 - सहकारी समिति
 - संयुक्त हिंदू पारिवारिक व्यवसाय
- The form of business organization which is specifically found in India is:**
- Sole proprietorship
 - NGO
 - Cooperative society
 - Joint Hindu Family business
18. **एकाकी व्यापार की क्रिया का उद्देश्य होता है ।**
- आर्थिक
 - अनार्थिक
 - दोनों
 - इनमें से कोई नहीं
- Sole trade has a _____ objective.**
- Economic
 - Non-economic
 - Both
 - None of these
19. **किसी कंपनी की पूंजी को कई भागों में विभाजित किया जाता है, जिनमें से प्रत्येक को कहा जाता है**
- अंश
 - लाभांश
 - लाभ
 - ब्याज
- The capital of a company is divided into number of parts each one of which are called:**
- Share
 - Dividend
 - Profit
 - Interest
20. **व्यावसायिक संगठन के उस रूप का नाम बताइए जिसमें सदस्य फर्म के ऋणों के भुगतान के लिए संयुक्त रूप से और व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी होते हैं।**
- एकल स्वामित्व
 - साझेदारी
 - कंपनी
 - संयुक्त हिंदू पारिवारिक व्यवसाय
- Name the form of business organization in which the members are jointly and individually liable for payment of the firm's debts.**
- Sole proprietorship
 - Partnership
 - Company
 - HUF
21. **एक सार्वजनिक कंपनी बनाने के लिए आवश्यक न्यूनतम सदस्य संख्या है:**
- 12
 - 1
 - 7
 - कोई सीमा नहीं
- Minimum number of members required to form a public company is:**
- 12
 - 1
 - 7
 - No limit
22. **निम्नलिखित में से कौन साझेदारी फर्म का लाभ नहीं है:**
- गोपनीयता
 - गठन और समापन में आसानी
 - सदस्यों की सीमित देनदारी
 - अधिक धनराशि
- Which of the following is not an advantage of a partnership firm:**
- Secrecy
 - Ease of Formation and Closure
 - Limited liability of members
 - More funds
23. **साझेदारी के गठन के दौरान बनाया जाने वाला दस्तावेज है:**
- साझेदारी समझौता
 - साझेदारी विलेख
 - साझेदारी पंजीकरण
 - साझेदारी दस्तावेज
- Document that is made during the formation of a partnership is:**
- Partnership agreement
 - Partnership deed
 - Partnership registration
 - Partnership document
24. **क्या कोई नाबालिग संयुक्त हिंदू परिवार व्यवसाय का सदस्य हो सकता है:**
- हाँ
 - नहीं
 - आंशिक रूप से हाँ
 - हाँ, यदि सभी सदस्य उसमें प्रवेश करने का समझौता करते हैं
- Can a minor be a member in a Joint Hindu Family business:**
- Yes
 - No
 - Partially yes
 - Yes, if all the members make an agreement of entering him/her
25. **इनमें से कौन सी संयुक्त हिंदू परिवार व्यवसाय की एक सीमा है:**
- सभी सदस्यों की असीमित देनदारी

- (b) सीमित प्रबंधकीय कौशल
- (c) निर्णय लेने में देरी
- (d) जनता के विश्वास की कमी

Which of these is a limitation of the Joint Hindu Family business:

- (a) Unlimited liability of all the members
- (b) Limited managerial skills
- (c) Delay in decision making
- (d) Lack of public confidence

26. हिन्दू पारिवारिक व्यवसाय के कर्ता के अतिरिक्त सदस्यों के दायित्व होते हैं।

- (a) सदस्यों में समान विभाजित
- (b) असीमित
- (c) सीमित
- (d) कुछ भी नहीं

The liability of the members of Hindu family business, other than 'karta' is

- (a) Equally distributed among members
- (b) unlimited
- (c) limited
- (d) None

27. _____ किसी कंपनी के असली मालिक हैं:

- (a) शेयरधारक (b) निदेशक मंडल
- (c) प्रमोटर (d) कर्मचारी

_____ are the real owners of a company:

- (a) Shareholders (b) Board of directors
- (c) Promoters (d) Employees

28. एकाकी व्यापारी व्यवसाय का जीवन _____ होता है।

- (a) स्थिर (b) अस्थिर
- (c) उपर्युक्त दोनों (d) कोई नहीं

The life of sole trader business is

- (a) stable (b) unstable
- (c) both above (d) none

29. संयुक्त हिन्दू परिवार व्यवसाय का मुखिया जाना जाता है।-

- (a) स्वामी (b) प्रबन्धक
- (c) कर्ता (d) प्रबन्ध संचालक

The head of the joint Hindu family business is known as:

- (a) Proprietor (b) Manager
- (c) Karta (d) Managing Director

30. ये साझेदार अन्य साझेदारों की ओर से फर्म के व्यवसाय को चलाने में वास्तविक भाग लेते हैं। यहां संदर्भित किए जा रहे साथी की पहचान करें।

- (a) सक्रिय साझेदार
- (b) सोया हुआ या निष्क्रिय साझेदार

- (c) गुप्त साझेदार
- (d) नाममात्र का साझेदार

These partners take actual part in carrying out business of the firm on behalf of other partners. Identify the partner being referred here.

- (a) Active partner
- (b) Sleeping or dormant partner
- (c) Secret partner
- (d) Nominal partner

31. सहकारी समितियाँ निम्नलिखित में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं:

- (a) बैंकिंग (b) कृषि
- (c) विनिर्माण। (d) उपरोक्त सभी

Co-operatives play an important role in:

- (a) Banking (b) Agriculture
- (c) Manufacturing. (d) All of the above

32. उस साझेदार के प्रकार का नाम बताइए जो वास्तव में साझेदार नहीं है लेकिन फर्म के ऋणों के पुनर्भुगतान के लिए तीसरे पक्ष के प्रति उत्तरदायी है।

- (a) निष्क्रिय साझेदार (b) सक्रिय साझेदार
- (c) नाममात्र का साझेदार (d) गुप्त साझेदार

Name the type of partner who is not really a partner but is liable to third parties for the repayment of the firm's debts.

- (a) Sleeping (b) Active
- (c) Nominal (d) Secret

33. किस प्रकार का संगठन अपने खाते किसी को दिखाने के लिए बाध्य नहीं है:

- (a) कंपनी (b) साझेदारी
- (c) एकल स्वामित्व (d) सहकारी समिति

Which type of organization is not bound to show its accounts to anyone:

- (a) Company
- (b) Partnership
- (c) Sole proprietorship
- (d) Cooperative society

34. 'पारस्परिक सहायता द्वारा स्वयं की सहायता' यह किस संगठन का मुख्य आदर्श है-

- (a) एकाकी संगठन का
- (b) संयुक्त पूँजी कम्पनी का
- (c) सहकारी संगठन का
- (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

'Self-help through mutual aid' is the main ideal of which organization?

- (a) of a unitary organization
- (b) Joint stock company

- (c) of co-operative organization
(d) None of the above.
35. साझेदारी फर्म के लिए पंजीकृत होना _____ है:
(a) अनिवार्य (b) वैकल्पिक
(c) आवश्यक (d) इनमें से कोई नहीं
- It is _____ for a partnership firm to get registered:
(a) Mandatory (b) Optional
(c) Necessary (d) None of these
36. शीघ्र निर्णय एकाकी व्यावसाय की आवश्यक विशेषता _____
(a) है (b) नहीं है
(c) उपर्युक्त दोनों (d) कोई नहीं
- Prompt decision making _____ important feature of sole trade.
(a) is (b) is not
(c) Both (d) None
37. व्यवसाय संगठन का एकाकी स्वामित्व रूप उस व्यवसाय के लिए उपर्युक्त नहीं है—
(a) जिसमें थोड़ी पूँजी की आवश्यकता हो
(b) जिसमें ग्राहकों के प्रति व्यक्तिगत ध्यान देने की आवश्यकता होती है
(c) जो बड़े आकार के हैं
(d) जो छोटे आकार के होते हैं
- Sole proprietorship form of business organization is not suitable for the business which—
(a) Requires little capital
(b) Requires personal attention to the customers
(c) Are of large size
(d) Are of small size
38. संयुक्त हिंदू परिवार व्यवसाय निम्नलिखित में से किस कानून द्वारा शासित होता है:
(a) हिंदू कानून, 2002
(b) हिंदू अविभाजित कानून, 1994
(c) हिंदू परिवार कानून, 1965
(d) हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम, 1956
- The Joint Hindu Family business is governed by which of the following laws:
(a) Hindu law, 2002
(b) Hindu Undivided law, 1994
(c) Hindu Family law, 1965
(d) Hindu Succession Act, 1956.
39. क्या किसी नाबालिग को साझेदारी फर्म में शामिल किया जा सकता है?
(a) नहीं
(b) हाँ
(c) हाँ, लेकिन भागीदारों की आपसी सहमति से और केवल लाभ साझा करने के लिए
(d) इनमें से कोई नहीं
- Can a minor be entered into a partnership firm
(a) No
(b) Yes
(c) Yes, but by mutual consent of the partners and only to share profits
(d) None of these
40. सहकारी समिति का मुख्य उद्देश्य है:
(a) लाभ कमाने के लिए
(b) अपने सदस्यों को सेवा प्रदान करना
(c) सदस्यों में बचत की आदत विकसित करना
(d) सदस्यों के साथ एक टीम के रूप में सहयोग करना और काम करना
- The main motive of a cooperative society is:
(a) To earn profits
(b) To provide service to its members
(c) To inculcate a habit of savings among members
(d) To cooperate and work as a team with members
41. अनुबन्ध करने का अधिकार कर्ता के अतिरिक्त अन्य सदस्यों को _____ है।
(a) प्रायः होता
(b) विशेष परिस्थितियों में होता
(c) होता
(d) नहीं होता
- Members, other than 'Karta'..... right to enter into contract on behalf of the family business.
(a) Often have
(b) have in special circumstance
(c) have
(d) do not have
42. एकाकी व्यापार सर्वोत्तम है जब—
(a) कम पूँजी की आवश्यकता हो
(b) अधिक पूँजी की आवश्यकता हो
(c) पूँजी की आवश्यकता नहीं हो
(d) इनमें से कोई नहीं
- Sole trading is the best when—
(a) Requires little Capital
(b) Requires more Capital

- (c) Capital is not required
- (d) None of these

43. एकाकी व्यापार का दायित्व सीमित होता है—

- (a) उसके द्वारा लगाई गई पूँजी की सीमा तक
- (b) व्यवसाय में सम्पत्तियों के मूल्य की सीमा तक
- (c) व्यवसाय के साथ-साथ उसकी निजी सम्पत्तियों के भी मूल्य की सीमा तक
- (d) उपरोक्त सभी

The liability of a sole trader is limited to the extent—

- (a) Capital invested by him
- (b) Value of the assets of the business
- (c) Value of the business as well as his all private assets
- (d) All of these

44. सहकारी समितियाँ अपनी पूँजी कैसे जुटाती हैं:

- (a) अपने सदस्यों को शेयर जारी करके
- (b) जनता को शेयर जारी करके
- (c) दान प्राप्त करके
- (d) इनमें से कोई नहीं

How does the Cooperative societies raise its capital:

- (a) By issuing shares to its members
- (b) By issuing shares to the public
- (c) By getting donations
- (d) None of these

45. कम्पनी संगठन का लाभ है—

- (a) स्थायी अस्तित्व
- (b) लाभों का बराबर विभाजन
- (c) अवयस्क के हितों की रक्षा
- (d) अल्पमत को संरक्षण।

The advantage of company organization is—

- (a) permanent existence
- (b) equal division of profits
- (c) protection of the interests of minors
- (d) Protection of minority

46. एकाकी स्वामित्व की हानि _____ जाती है ।

- (a) बाँटी
- (b) नहीं बाँटी
- (c) उपर्युक्त दोनों
- (d) कोई नहीं

The loss of the sole proprietorship is

- (a) Shared
- (b) Not shared
- (c) Both above
- (d) None

47. निम्नलिखित में से कौन-सा संगठन किसी विशिष्ट अधिनियम के तहत नहीं आता है—

- (a) एकल स्वामित्व
- (b) साझेदारी

- (c) कंपनी
- (d) सहकारी समिति

Which of the following is not governed by a specific act—

- (a) Sole Proprietorship
- (b) Partnership
- (c) Company
- (d) Cooperative Society

48. एकाकी व्यापारी की सबसे बड़ी कठिनाई है—

- (a) छोटा आकार
- (b) सीमित पूँजी
- (c) असीमित दायित्व
- (d) सीमित जगह

The greatest limitation of a sole trader is—

- (a) Small Size
- (b) Limited Capital
- (c) Unlimited Liability
- (d) Limited Space

49. एकाकी व्यापारी की जिम्मेदारी

- (a) सीमित
- (b) असीमित
- (c) उपर्युक्त दोनों
- (d) कोई नहीं

The liability of sole trader is

- (a) limited
- (b) unlimited
- (c) Both
- (d) none

50. संयुक्त हिन्दू परिवार व्यवसाय संचालित होता है —

- (a) हिन्दू अधिनियम
- (b) मुस्लिम अधिनियम
- (c) अंग्रेजी अधिनियम
- (d) भारतीय संविधान

Joint Hindu Family business is governed by—

- (a) Hindu Law
- (b) Muslim Law
- (c) English Law
- (d) Indian Constitution

51. किसी सार्वजनिक कंपनी में सदस्यों की अधिकतम संख्या की सीमा है:

- (a) 100
- (b) 200
- (c) 500
- (d) किसी सार्वजनिक कंपनी में सदस्यों की अधिकतम संख्या की कोई सीमा नहीं है

The limit of maximum number of members in a public company is:

- (a) 100
- (b) 200
- (c) 500
- (d) There is no limit of maximum number of members in a public company

52. एकाकी व्यापार में

- (a) पूर्ण गोपनीयता रहती है
- (b) गोपनीयता नहीं है
- (c) गोपनीयता नाममात्र की है
- (d) इनमें से कोई नहीं

In sole trading –

- (a) There is complete secrecy
- (b) There is no secrecy
- (c) Secrecy is nominal
- (d) None of these

53. एक निजी कंपनी वह है जो:

- (a) सदस्यों की संख्या सीमित करता है
- (b) शेयरों की हस्तांतरणीयता को प्रतिबंधित करता है
- (c) जनता को अपनी प्रतिभूतियों की सदस्यता लेने से रोकता है
- (d) ये सभी

A private company is one which:

- (a) Limits the number of members
- (b) Restricts the transferability of shares
- (c) Prohibits the public to subscribe to its securities
- (d) All of these

54. हिन्दू अविभाजित परिवार में सामान्य सम्पत्ति में क्या शामिल हैं ?

- (a) पैतृक सम्पत्ति की सहायता से निर्मित सम्पत्ति
- (b) व्यक्तिगत सम्पत्ति जिसे परिवार की सम्पत्ति मान लिया गया है
- (c) पैतृक सम्पत्ति
- (d) उपरोक्त सभी

According to J.H.F. What is included in common property ?

- (a) Property created with the help of ancestral property
- (b) Personal property treated as the property of the family
- (c) Ancestral Property
- (d) All of the above

55. निजी कम्पनी में अधिकतम संख्या कितनी हो सकती है।

- (a) 200
- (b) 50
- (c) असीमित
- (d) 10

What is the maximum number that can be in a private company?

- (a) 200
- (b) 50
- (c) unlimited
- (d) 10

56. संयुक्त पूँजी कम्पनी के निदेशक मण्डल का चुनाव के द्वारा होता है।

- (a) सामान्य जन
- (b) सरकारी संस्थाएँ
- (c) अंशधारक
- (d) कर्मचारी।

The election of the board of directors of a joint-stock company is done by the

- (a) General Public

(b) Government Institutions

(c) Shareholders

(d) Employees

57. हिन्दू उत्तराधिकार अधिनियम बनाया गया

- (a) 1856
- (b) 1947
- (c) 1956
- (d) 1990

Hindu Succession law was framed in

- (a) 1856
- (b) 1947
- (c) 1956
- (d) 1990

58. संयुक्त हिन्दू परिवार व्यवसाय में सदस्यता प्राप्त होती है।

- (a) आवेदन से
- (b) सिफारिश से
- (c) जन्म से
- (d) इनमें से कोई नहीं

Membership in joint Hindu Family business is acquired–

- (a) By Application
- (b) By recommendation
- (c) by birth
- (d) None of these

59. एकाकी व्यापारी वह है, जो–

- (a) समस्त सम्पत्तियों का मालिक होता है किन्तु सारा जोखिम नहीं उठाता है
- (b) सारा जोखिम उठाता है पर समस्त सम्पत्तियों का स्वामी नहीं होता
- (c) समस्त सम्पत्तियों का मालिक होता है तथा सारा जोखिम उठाता है
- (d) ये सभी

A sole trader is someone who–

- (a) Is the owner of all assets but does not take the entire risk.
- (b) Takes the entire risk but is not the owner of all assets
- (c) Takes ownership of all assets and takes the entire risk.
- (d) All of these.

60. एक हिन्दू अविभाजित परिवार के सदस्यों को पारिवारिक व्यवसाय से अलग सम्पत्ति रखने का अधिकार.....

- (a) नहीं है
- (b) है
- (c) प्रायः होता है
- (d) विशेष परिस्थितियों में होता है

Every member of the Joint Hindu Family business_____ right to own separate property.

- (a) do not have
- (b) has
- (c) often has
- (d) have in special circumstance

61. संयुक्त हिन्दू परिवार में नियंत्रण एवं प्रबन्धन होता है -
 (a) परिवार के सदस्यों का (b) प्रबन्धक
 (c) कर्ता (d) इनमें से कोई नहीं
- Management and control in Joint hindu Family business is-**
 (a) Members of family (b) Manager
 (c) Karta (d) Non of these
62. एकाकी व्यापार में दायित्व होता है-
 (a) असीमित (b) सीमित
 (c) नहीं होता है (d) कोई नहीं।
- In a sole proprietorship the liability is-**
 (a) unlimited (b) limited
 (c) does not happen (d) None.
63. एकाकी व्यवसायी की विशेषता क्या नहीं है?
 (a) इसका स्वामी एक व्यक्ति होता है
 (b) इसका अस्तित्व अपने स्वामी से अलग होता है
 (c) इसका सारा लाभ एकाकी व्यवसायी का होता है
 (d) इनमें से कोई नहीं
- What is not the characteristics of a sole trading business?**
 (a) It is owned by one person
 (b) It has a separate existence from its owner
 (c) Its whole profit belongs to the sole proprietor
 (d) None of these
64. व्यवसाय के स्वामित्व का सबसे पुराना स्वरूप है-
 (a) संयुक्त पूँजी कम्पनी (b) साझेदारी व्यवसाय
 (c) सहकारी संगठन (d) एकल व्यवसाय।
- The oldest form of business ownership is-**
 (a) Joint capital company
 (b) Partnership business
 (c) cooperative organization
 (d) Sole business.
65. संयुक्त हिन्दू परिवार व्यवसाय का प्रमुख लक्षण है-
 (a) कर्ता का व्यवसाय पर नियन्त्रण
 (b) व्यवसाय में निरन्तरता
 (c) नाबालिग व्यवसाय का सदस्य होना
 (d) उपर्युक्त सभी।
- The main characteristics of joint Hindu family business are-**
 (a) Control over the business by the Karta
 (b) Continuity in business
 (c) a minor being member of the business
 (d) all of the above
66. वह साझेदार जो फर्म के दिन-प्रतिदिन के कार्यों में सक्रिय रूप से भाग नहीं लेता है, कहलाता है-
 (a) सक्रिय साझेदार (b) निष्क्रिय साझेदार
 (c) उप-साझेदार (d) नाममात्र का साझेदार।
- A partner who does not actively participate in the day-to-day operations of the firm is called-**
 (a) active partner (b) Sleeping partner
 (c) sub-partner (d) Nominal partner.
67. एकल व्यवसाय का उद्देश्य क्या है ?
 (a) दान करना (b) लाभ कमाना
 (c) सेवा करना (d) लाभ एवं सेवा दोनों
- What is the objective of sole trade ?**
 (a) Charity
 (b) Earning profit
 (c) Rendering service
 (d) Profit and Service both
68. "एक व्यक्ति का नियन्त्रण विश्व में सर्वश्रेष्ठ है यदि वह व्यक्ति इतना सामर्थ्यवान है कि सभी बातों का प्रबन्ध स्वयं ही कर सकता है।" यह कथन किसका है ?
 (a) आर. एस. अग्रवाल
 (b) एच. एच. हैने
 (c) विलियम आर. बैसेट
 (d) हार्ट
- "One man can control is the best if that man is big enough to manage everything." whose statement is this ?**
 (a) R. S. Agarwal (b) L. H. Haney
 (c) William R. Basset (d) By none of these
69. संयुक्त हिंदू परिवार व्यवसाय चलाने के मामले में परिवार में कम से कम _____ सदस्य होने चाहिए।
 (a) 6 (b) 4
 (c) 2 (d) 8
- In case of running a Joint Hindu Family business there must be at least _____ members in a family.**
 (a) 6 (b) 4
 (c) 2 (d) 8
70. सहकारी समिति बनाने के लिए आवश्यक न्यूनतम सदस्य संख्या है:
 (a) 5 (b) 4
 (c) 10 (d) 1
- Minimum number of members required to form a cooperative society is:**
 (a) 5 (b) 4
 (c) 10 (d) 1

बहुवैकल्पिक प्रश्नों का उत्तर (M C Q ANSWERS)

1 c	2 a	3 a	4 a	5 a	6 b
7 a	8 a	9 c	10 b	11 d	12 b
13 c	14 d	15 b	16 d	17 d	18 a
19 a	20 b	21 c	22 c	23 b	24 a
25 b	26 c	27 a	28 b	29 c	30 a
31 b	32 c	33 c	34 c	35 b	36 a
37 c	38 d	39 c	40 b	41 d	42 a
43 c	44 a	45 a	46 b	47 a	48 c
49 b	50 a	51 d	52 a	53 d	54 d
55 a	56 c	57 c	58 c	59 c	60 b
61 c	62 a	63 b	64 d	65 d	66 b
67 d	68 c	69 c	70 c		

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न (Very Short Answer Questions)

1. संयुक्त स्टॉक कंपनी में निदेशक मंडल का चुनाव किसके द्वारा किया जाता है?

उत्तर: संयुक्त स्टॉक कंपनी में शेयरधारक निदेशक मंडल का चुनाव करते हैं।

Who elects the board of directors in a joint stock company?

Ans: In a joint stock company the shareholders elect the board of directors.

2. संयुक्त हिंदू परिवार व्यवसाय बनाने वाली 2 आवश्यक शर्तों का उल्लेख करें।

उत्तर: एक परिवार में कम से कम 2 सदस्य हों एवं पैतृक सम्पत्ति उन्हें विरासत में मिली हो।

Mention two essential conditions forming a Joint Hindu Family Business.

Ans: At least 2 members in a family He will inherit the ancestral property

3. किस कंपनी के शेयरों के हस्तांतरण पर कोई प्रतिबंध नहीं है?

उत्तर: सार्वजनिक कंपनी के पास शेयरों के हस्तांतरण पर कोई प्रतिबंध नहीं है।

In which type of company there is no restriction on transfer of shares?

Ans: A public company does not have any restrictions on transfer of shares.

4. संयुक्त हिंदू परिवार व्यवसाय को कौन नियंत्रित करता है?

उत्तर: कर्ता

Who controls the Joint Hindu Family business?

Ans: Karta

5. असीमित दायित्व क्या है?

उत्तर: असीमित देनदारी में सामान्य साझेदार और एकल स्वामी शामिल होते हैं जो व्यवसाय द्वारा संचित ऋण और देनदारियों के लिए उत्तरदायी होते हैं। इस देनदारी की कोई सीमा नहीं है और इसका भुगतान मालिकों की निजी सम्पत्तियों को जब्त करके किया जा सकता है, जो इसे सीमित देनदारी वाले उद्यमों से अलग बनाता है।

What is unlimited liability?

Ans: Unlimited liability includes general partners and sole proprietors who are effectively responsible for the debts and liabilities accumulated by the business. There is no limit on this liability and it can be paid by seizing the personal assets of the owners, making it different from limited liability enterprises.

6. गुप्त भागीदार कौन है?

उत्तर: गुप्त साझेदार वह साझेदार होता है जिसकी साझेदारी जनता से गुप्त रखी जाती है।

Who is the secret partner?

Ans: A secret partner is a partner whose membership in the partnership is kept secret from the public.

7. उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए किस प्रकार की सहकारी समिति का गठन किया जाता है?

उत्तर: उपभोक्ता सहकारी समिति

Which type of cooperative society is formed to protect the interest of consumers ?

Ans: Consumer cooperative society

8. किसी कंपनी के गठन के प्रमोशन चरण में क्या शामिल होता है?

उत्तर: इसमें एक व्यावसायिक अवसर की खोज करना और एक कंपनी बनाने के लिए उचित कदम उठाना शामिल है।

What does the promotion stage of formation of a company involve ?

Ans: It involves discovering a business opportunity and taking appropriate steps to form a company.

9. 'संयंत्र अभिन्यास' क्या है?

उत्तर: इसका अर्थ है किसी उत्पाद के निर्माण के लिए आवश्यक मशीनों और उपकरणों की भौतिक व्यवस्था।

What is 'Plant Layout'?

Ans: It means the physical arrangement of machines and equipment needed to manufacture a product.

10. किस प्रमाणपत्र को कंपनी का जन्म प्रमाणपत्र कहा जाता है?

उत्तर: निगमन प्रमाणपत्र.

Which certificate is known as the birth certificate of the company

Ans: Certificate of Incorporation

लघु उत्तरीय प्रश्न (Short Answer Questions)

1. संयुक्त हिंदू परिवार व्यवसाय में नाबालिग की स्थिति की साझेदारी फर्म में उसकी स्थिति से तुलना कीजिए।

उत्तर: एक नाबालिग अपने जन्म के आधार पर संयुक्त हिंदू परिवार व्यवसाय का सदस्य बन जाता है। दूसरी ओर, साझेदारी में नाबालिग केवल लाभ में भागीदार हो सकता है।

Compare the status of a minor in a Joint Hindu family business with that in a partnership firm.

Ans: A minor becomes a member of the Joint Hindu Family Business by virtue of his birth. On the other hand, a minor in a partnership can participate only in profits.

2. यदि पंजीयन ऐच्छिक है तो साझेदारी फर्म स्वयं को पंजीकृत कराने के लिए वैधानिक औपचारिकताओं को पूरा करने के लिए क्यों इच्छुक रहती हैं? समझाइए।

उत्तर: हालाँकि पंजीकरण वैकल्पिक है, साझेदारी कंपनियाँ स्वेच्छा से इस कानूनी औपचारिकता को पूरा करती हैं और खुद को पंजीकृत कराती हैं क्योंकि इसमें कुछ खूबियाँ हैं:

(i) **दावों का निपटान:** पंजीकृत कंपनियाँ तीसरे पक्ष के खिलाफ मुकदमा दायर कर सकती हैं। इसलिए पंजीकृत फर्मों के अधिकार कानून द्वारा सुरक्षित हैं। लेकिन एक अपंजीकृत फर्म या उसका भागीदार तीसरे पक्ष या उसके सह-साझेदार के खिलाफ अपना दावा लागू नहीं कर सकता है।

(ii) **अधिकारों की सुरक्षा:** पंजीकृत फर्म में नए साझेदार के अधिकार और विशेषाधिकार भी सुरक्षित हैं। लेकिन अगर आने वाला साझेदार खुद को पंजीकृत करने में विफल रहता है, तो उसे बड़ा जोखिम उठाना पड़ेगा, क्योंकि वह अपनी फर्म या अपने सह-साझेदारों के खिलाफ अपने बकाए के लिए मुकदमा दायर करने की स्थिति में नहीं होगा।

(iii) **सम्पत्ति की सुरक्षा:** सेवानिवृत्त या मृत साझेदार की सम्पत्ति उसकी मृत्यु या सेवानिवृत्ति के बाद फर्म द्वारा किए गए कृत्यों के लिए उत्तरदायी बनी रहती है, जब तक कि रजिस्ट्रार को परिवर्तन के लिए सार्वजनिक नोटिस नहीं दिया जाता है, इसलिए पंजीकृत फर्मों के साझेदारों के लिए यह मजबूत प्रलोभन है कि रजिस्ट्रार के पास परिवर्तन नोट कराया जाये। लेकिन अगर अपंजीकृत फर्म है, तो निवर्तमान साझेदार की निजी सम्पत्ति सेवानिवृत्ति के बावजूद ऋण वसूलने के लिए उत्तरदायी मानी जाएगी।

(iv) **लेनदारों की सुरक्षा:** पंजीकृत फर्म को अपने साझेदारों का सही, पूर्ण और अद्यतन रिकॉर्ड बनाए रखना होगा जो फर्म के दायित्वों के लिए उत्तरदायी होंगे। फर्म के गठन के संबंध में रजिस्ट्रार के पास दर्ज विवरण साझेदारों के झूठे इनकार और फर्म के साथ सौदा करने के इच्छुक व्यक्तियों को, साझेदारों द्वारा अपने दायित्व

की चोरी के खिलाफ एक मजबूत सुरक्षा प्रदान करेगा।

If registration is optional, why do partnership firms willingly go through this legal formality and get themselves registered? Explain.

Ans: Although registration is optional, partnership firms willingly complete this legal formality and get themselves registered because it has certain advantages:

(i) **Settlement of claims:** Registered companies can file suits against third parties. Therefore the rights of registered firms are protected by law. But an unregistered firm or its partner cannot enforce its claim against a third party or its co-partner.

(ii) **Protection of Rights:** The rights and privileges of the new partner in the registered firm are also protected. But if the incoming partner fails to register himself, he will have to bear great risk, as he will not be in a position to file a suit against his firm or his co-partners for his dues.

(iii) **Protection of property:** The estate of a retiring or deceased partner continues to be liable for acts done by the firm after his death or retirement unless public notice of the change is given to the Registrar, hence for partners of registered firms there is strong temptation for changes in register noted. But if it is an unregistered firm, the personal assets of the outgoing partner will be considered liable to recover the debt irrespective of retirement.

(iv) **Protection to creditors:** A registered firm must maintain correct, complete and updated records of its partners who will be liable for the obligations of the firm. The particulars entered in the register regarding formation of the firm will provide a strong protection against false denial of partnership and evasion of liability to persons intending to deal with the firm.

3. एक निजी कम्पनी को उपलब्ध महत्वपूर्ण सुविधाओं को बताइए।

उत्तर: एक निजी कंपनी को कुछ छूट या विशेषाधिकार प्राप्त होते हैं जो अक्सर सार्वजनिक कंपनी को उपलब्ध नहीं होते हैं। एक निजी कंपनी द्वारा प्राप्त कुछ विशेषाधिकार नीचे दिए गए हैं।

(a) **कम सदस्यों की आवश्यकता:** एक निजी कंपनी को गठन के लिए केवल दो सदस्यों की आवश्यकता होती है, जबकि एक सार्वजनिक कंपनी को कम से कम सात सदस्यों की आवश्यकता होती है।

(b) **व्यवसाय की शुरुआत:** एक निजी कंपनी निगमन का प्रमाण पत्र प्राप्त करने के दिन से ही अपना व्यवसाय संचालन शुरू कर सकती है। दूसरी ओर, किसी सार्वजनिक कंपनी के लिए व्यवसाय शुरू करने से पहले

निगमन प्रमाण पत्र के साथ-साथ व्यवसाय प्रारंभ प्रमाण पत्र प्राप्त करना अनिवार्य है।

(c) निदेशकों को ऋण देने पर कोई प्रतिबंध नहीं: एक निजी कंपनी के मामले में, निदेशकों को दिए जाने वाले ऋण की राशि पर कोई प्रतिबंध नहीं है। ऐसे ऋणों को आगे बढ़ाने के लिए किसी पूर्व अनुमति की आवश्यकता नहीं होती है। इसके विपरीत, किसी सार्वजनिक कंपनी को अपने निदेशकों को ऋण देने से पहले सरकार से अनुमति लेनी पड़ती है।

(डी) परिचालन के लिए आवश्यक कम संख्या में निदेशक: एक निजी कंपनी केवल दो निदेशकों के साथ परिचालन जारी रख सकती है, जबकि एक सार्वजनिक कंपनी के पास अपना परिचालन जारी रखने के लिए कम से कम तीन निदेशक होने चाहिए।

State the important privileges available to a private company.

Ans. A private company enjoys certain exemptions or privileges that are often not available to a public company. Some of the privileges enjoyed by a private company are given below.

(a) Less members required: A private company requires only two members for formation, whereas a public company requires at least seven members.

(b) Commencement of business: A private company may commence its business operations from the day it obtains the certificate of incorporation. On the other hand, it is mandatory for a public company to obtain a certificate of incorporation as well as a certificate of commencement before starting the business.

(c) No restriction on giving loans to directors: In the case of a private company, there is no restriction on the amount of loan given to directors. No prior permission is required to pursue such loans. In contrast, a public company has to obtain permission from the government before giving loans to its directors.

(d) Less number of directors required for operations: A private company can continue operations with only two directors, whereas a public company must have at least three directors to continue its operations.

4. सहकारी समिति किस प्रकार जनतांत्रिक एवं धर्म-निरपेक्षता का आदर्श प्रस्तुत करती है?

उत्तर: एक सहकारी समिति में, प्रबंधन, समिति के सदस्यों द्वारा चुनी गई एक प्रबंध समिति के हाथों में होता है। ऐसे समिति में चुनाव 'एक सदस्य, एक वोट' के सिद्धांत द्वारा शासित होते हैं। इसका तात्पर्य यह है कि सभी सदस्यों को समान मतदान का अधिकार है, भले

ही उन्होंने समिति में कितनी भी पूंजी का योगदान दिया हो। यह सिद्धांत निर्णय लेने की प्रक्रिया में अमीर सदस्यों (जिनके पास अधिक संख्या में शेयर हो सकते हैं) के प्रभुत्व को रोकता है। इस प्रकार, लोकतंत्र की तरह, एक सहकारी समिति अपने सभी सदस्यों के साथ समान व्यवहार करती है और अपने सदस्यों को समान अधिकार प्रदान करती है। इसके अलावा, सदस्यों के बीच उनके धर्म, जाति या लिंग के आधार पर कोई भेदभाव नहीं है। इसके अलावा, सदस्य अपनी पसंद के प्रबंध समिति के सदस्यों का चुनाव करने के लिए स्वतंत्र हैं। इसलिए, एक सहकारी समिति एक धर्मनिरपेक्षतावादी व्यवस्था का उदाहरण है।

How does a cooperative society exemplify democracy and secularism? Explain

Ans: In a co-operative society, the management is in the hands of a managing committee elected by the members of the society. Elections in such societies are governed by the principle of 'one member, one vote'. This means that all members have equal voting rights, regardless of the amount of capital they have contributed to the society. This principle prevents dominance of wealthy members (who may own a greater number of shares) in the decision-making process. Thus, like democracy, a co-operative society treats all its members equally and provides equal rights to its members. Furthermore, there is no discrimination among the members on the basis of their religion, caste or gender. Furthermore, members are free to elect members of the Managing Committee of their choice. Therefore, a co-operative society is an example of a secularist system.

5. 'प्रदर्शन द्वारा साझेदार' का क्या अर्थ है? समझाइए

उत्तर: सामान्य बोलचाल के माध्यम से, जब कोई व्यक्ति आम लोगों को यह कहता है कि वह साझेदारी फर्म के साझेदार है, पर हकीकत में वह ऐसा नहीं है, तो वह सार्वजनिक प्रस्तुति के माध्यम से उसके द्वारा कही जाने वाली बातों के लिए जिम्मेदार हो जाता है। इस तरह का साझेदार वास्तव में साझेदारी फर्म के कर्जों के लिए उत्तरदायी हो जाता है क्योंकि दूसरों या संबंधित पक्षों के दृष्टिकोण से वह भी साझेदार के रूप में माना जाता है। अगर ऐसा साझेदार इस भूमिका से मुक्त होना चाहता है, तो उसे तुरंत अपनी स्थिति को स्पष्ट करना होगा और कहना होगा कि वह साझेदार नहीं है। यदि वह ऐसा नहीं करता है, तो उसे तृतीय पक्ष के द्वारा होने वाले किसी भी हानि के लिए जिम्मेदार माना जाएगा।

What is meant by 'partner by estoppel'? Explain

Ans: A partner by estoppel is an individual who, by his actions, conduct, or words, leads others to believe that they are a partner in a specific firm. Such a partner is not an actual partner

and does not invest any capital in the firm, nor do they share in the firm's profits or losses. However, this person can be held responsible for the debts owed by the firm. In the event that the firm lacks adequate assets or funds to repay its debts, the private assets of the partner by estoppel can be sold to settle the debts.

6. संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए-

(क) कर्ता

(ख) सार्वमुद्रा

(ग) कृत्रिम व्यक्ति

(घ) शाश्वत उत्तराधिकार।

उत्तर: (क) कर्ता: कर्ता हिंदू अविभाजित परिवार का मुखिया होता है। कर्ता उपाधि परिवार के सबसे बड़े सदस्य को दी जाती है। व्यवसाय के मामले में परिवार में अंतिम निर्णय लेने की शक्ति उसके पास होती है। परिवार और व्यावसायिक संगठन के मुखिया के रूप में, एक कर्ता को असीमित देनदारियाँ और परिवार में सर्वोच्च निर्णय लेने की शक्ति प्रदान की जाती है।

(ख) सार्वमुद्रा: सार्वमुद्रा कंपनी का आधिकारिक हस्ताक्षर है जिसका उपयोग उसके बोर्ड के सदस्यों द्वारा सभी प्रमुख दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करने के लिए किया जा सकता है। चूंकि कंपनी कानून द्वारा बनाई गई एक कृत्रिम व्यक्ति है, एक सार्वमुद्रा उन दस्तावेजों को प्रमाणित करने में मदद करती है जिन्हें कानून की अदालत में सबूत के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है।

(ग) कृत्रिम व्यक्ति - एक कंपनी कानून द्वारा बनाई जाती है न कि किसी प्राकृतिक व्यक्ति की तरह। यह एक प्राकृतिक व्यक्ति की तरह सांस नहीं ले सकता, खा नहीं सकता, दौड़ नहीं सकता, बात नहीं कर सकता और हस्ताक्षर नहीं कर सकता। इसीलिए इसे कृत्रिम व्यक्ति माना जाता है। लेकिन एक प्राकृतिक व्यक्ति की तरह, यह सम्पत्ति का मालिक हो सकता है, ऋण और उधार ले सकता है, अनुबंध में प्रवेश कर सकता है, दूसरों पर मुकदमा कर सकता है, और दूसरों द्वारा मुकदमा दायर किया जा सकता है।

(घ) शाश्वत उत्तराधिकार: शाश्वत उत्तराधिकार का अर्थ यह है कि कोई कंपनी तब तक कार्य करती रहेगी जब तक उसे कानून के अधिनियम द्वारा विघटित न कर दिया जाए। इसका यह भी अर्थ है कि कोई कंपनी अपने एक या अधिक सदस्यों की मृत्यु, दिवालियापन या सेवानिवृत्ति की स्थिति में काम करना बंद नहीं करेगी।

Briefly explain the following terms in brief:

(a) Karta

(b) Common seal

(c) Artificial person

(d) Perpetual succession

Ans: (a) Karta: Karta is the head of a Hindu undivided family. The title of Karta is given

to the eldest member of the family. He has the power to take final decisions in the family regarding business matters. As the head of the family and business organization, a Karta is given unlimited liabilities and supreme decision-making power in the family.

(b) **Common Seal:** The common seal is the official signature of the company that can be used by its board members to sign all major documents. Since a company is an artificial person created by law, a common seal helps in authenticating the documents which can be used as evidence in a court of law.

(c) **Artificial Person** - A company is created by company law and not a natural person. It cannot breathe, eat, run, talk and sign like a natural person. That is why it is considered an artificial person. But like a natural person, it can own property, take loans and borrowings, enter into contracts, sue others, and can be sued by others.

(d) **Perpetual Succession:** Perpetual Succession means that a company will continue to function unless it is dissolved by an act of law. It also means that a company will not cease to operate in the event of the death, bankruptcy or retirement of one or more of its members.

7. यदि संयुक्त हिंदू पारिवारिक व्यवसाय में कर्ता की मृत्यु हो जाती है, तो व्यवसाय का क्या होगा?

उत्तर: कर्ता या परिवार के किसी अन्य सदस्य की मृत्यु की स्थिति में भी व्यवसाय चलता रहता है। अगला सबसे बड़ा सदस्य कर्ता का पद ग्रहण करता है, जिससे व्यवसाय स्थिर हो जाता है। हालाँकि, व्यवसाय को सदस्यों की आपसी सहमति से उनकी घोषणा पर समाप्त किया जा सकता है कि वे अब संयुक्त हिंदू परिवार व्यवसाय का हिस्सा नहीं हैं।

If the Karta dies in a Joint Hindu Family Business, what will happen to the business?

Ans: The business continues even in the event of the death of the Karta or any other family member. The next eldest member assumes the position of Karta, thereby stabilizing the business. However, the business can be terminated by mutual consent of the members upon their declaration that they are no longer part of the Joint Hindu Family Business.

8. साझेदारी संलेख को समझाइये।

उत्तर: साझेदारी फर्म के गठन के दौरान मौखिक या लिखित कई समझौते होते हैं। साझेदारी संलेख एक लिखित समझौता है जो साझेदारी को नियंत्रित करने वाले नियमों और शर्तों को निर्दिष्ट करता है। इसमें फर्म का नाम, व्यवसाय की प्रकृति और स्थान, व्यवसाय की

अवधि, साझेदारों द्वारा किया गया निवेश, लाभ और हानि का वितरण, प्रत्येक साझेदार का कार्य क्षेत्र आदि शामिल हैं, और इसमें प्रत्येक के हस्ताक्षर भी शामिल हैं।

Explain partnership deed.

Ans: There are many agreements, whether oral or written, that are entered into during the formation of a partnership firm. A partnership deed is a written agreement that specifies the terms and conditions governing the partnership. It includes the name of the firm, nature and place of business, period of business, investment made by the partners, distribution of profits and losses, area of work of each partner, etc., and it also includes the signatures of each partner.

9. एकल स्वामित्व व्यवसाय स्थापित करने के लिए सही परिस्थितियाँ क्या हैं?

उत्तर: निम्नलिखित शर्तों के तहत एकल स्वामित्व व्यवसाय स्थापित किया जा सकता है:

व्यवसाय जिसमें कम पूंजी की आवश्यकता होती है, जैसे हेयर कटिंग सैलून (नाई)।

इस क्षेत्र में आत्म-दक्षता के साथ-साथ ग्राहकों से सीधे संपर्क की भी आवश्यकता होती है।

इस व्यवसाय को बेहतर संचालन और उत्पादन के लिए व्यक्तिगत ध्यान और प्रबंधकीय दक्षता की आवश्यकता है।

व्यवसाय जिसमें ग्राहकों की व्यक्तिगत देखभाल की आवश्यकता होती है जैसे ब्यूटी पार्लर।

एक व्यवसाय जिसमें सीमित संख्या में वस्तु और सेवाएँ शामिल होती हैं।

What are the right conditions to set up a sole trader business?

Ans: Sole trader can be set up under the following conditions:

Businesses that require less capital, such as hair cutting salons (barbers).

Business which requires self-efficacy as well as direct contact with customers.

Those businesses which require personal attention and managerial efficiency for better operation and production.

Businesses that require personal care of customers such as beauty parlors.

A business that involves a limited number of goods and services.

10. संयुक्त हिन्दू परिवार व्यवसाय की चार विशेषताएँ बताइये।

उत्तर: संयुक्त हिन्दू परिवार व्यवसाय की चार विशेषताएँ निम्नलिखित हैं:

संयुक्त हिन्दू परिवार व्यवसाय हिन्दू उत्तराधिकार अधिनियम 1956 द्वारा शासित होता है।

व्यवसाय का नियंत्रण परिवार के सबसे बड़े सदस्य द्वारा किया जाता है, जिसे कर्ता के नाम से जाना जाता है।

कर्ता का दायित्व असीमित है।

सदस्यों की संख्या की कोई अधिकतम सीमा नहीं है।

Explain four characteristics of joint Hindu family business.

Ans: Following are the four characteristics of Joint Hindu Family Business:

HUF business is governed by the Hindu Succession Act 1956.

The business is controlled by the eldest member of the family, known as the Karta.

The liability of the Karta is unlimited.

There is no maximum limit on the number of members.

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

(Long Answer Type Questions)

1. एकल स्वामित्व फर्म से आप क्या समझते हैं? इसके गुणों एवं सीमाओं को समझाइए.

उत्तर: एक एकल स्वामित्व वाली फर्म का प्रबंधन, स्वामित्व और नियंत्रण एक ही व्यक्ति द्वारा किया जाता है, जिसे एकल स्वामी के रूप में भी जाना जाता है। वह सारा मुनाफा कमाता है और व्यवसाय के सभी नुकसान के लिए जिम्मेदार है।

एकल स्वामित्व के गुण निम्नलिखित हैं:

1. एकल स्वामित्व व्यवसाय स्थापित करना आसान है क्योंकि इसमें बहुत कम कानूनी औपचारिकताओं की आवश्यकता होती है। इसी प्रकार, एकल स्वामित्व व्यवसाय का समापन भी झंझटों से मुक्त है।

2. निर्णय लेना शीघ्र होता है, क्योंकि निर्णय लेने के लिए केवल एक ही व्यक्ति जिम्मेदार होता है।

3. एकल स्वामी वह है जो व्यवसाय से होने वाले सभी लाभों और सभी हानियों को भी प्राप्त करता है।

एकल स्वामित्व की सीमाएँ निम्नलिखित हैं:

1. एक व्यापारी द्वारा किसी व्यवसाय में निवेश की गई पूंजी कम होगी क्योंकि व्यवसाय को केवल एक व्यक्ति चला रहा है।

2. व्यवसाय की सभी जिम्मेदारियाँ एक व्यक्ति द्वारा प्रबंधित की जाती हैं जो विशेषज्ञ ज्ञान की कमी के कारण व्यवसाय में बाधा उत्पन्न कर सकती हैं।

3. मालिक की बीमारी या मृत्यु की स्थिति में व्यवसाय प्रभावित होता है। इसलिए, स्थिरता अनिश्चित है।

What do you understand by a sole proprietorship firm? Explain its merits and limitations ?

Ans: A sole proprietorship firm is managed, owned, and controlled by a single person, also known as the sole proprietor. He earns all the profits and is responsible for all the losses of the business.

Following are the merits of sole proprietorship:

1. Sole proprietorship business is easy to set up as it requires very few legal formalities. Similarly, winding up of a sole proprietorship business is also hassle-free.
2. Decision making is quick, because only one person is responsible for taking the decision.
3. The owner is the one who receives all the profits and also bears all the losses arising from the business.

Following are the limitations of sole proprietorship:

1. The capital invested in such a business will be less because only one person is running the business.
2. All the responsibilities of the business are managed by one person which may hinder the business due to lack of expert knowledge.
3. In case of illness or death of the owner the business is affected. Therefore, stability is uncertain.

2. एक उपयुक्त संगठन का स्वरूप चुनना क्यों महत्वपूर्ण है? उन घटकों का विवेचन कीजिए जो संगठन के किसी खास स्वरूप के चुनाव में सहायक होते हैं

उत्तर: व्यावसायिक संगठन के विभिन्न स्वरूप हैं। प्रत्येक स्वरूप के अपने फायदे और नुकसान हैं। ऐसा कोई रूप नहीं है जो निर्विवाद हो। यदि कोई व्यवसायी व्यवसाय के स्वामित्व का गलत रूप चुनता है, तो यह बेहद घातक साबित हो सकता है, इस हद तक कि उसका और उसके व्यवसाय का अस्तित्व भी समाप्त हो सकता है। इसीलिए एक व्यवसायी के लिए व्यवसाय के स्वामित्व का उचित स्वरूप चुनना आवश्यक हो जाता है।

संगठन के स्वरूप के बारे में निर्णय लेने के लिए निम्नलिखित कारक महत्वपूर्ण हैं।

संगठन स्थापित करने में लागत और आसानी: एकल स्वामित्व सबसे कम खर्चीला है और इसे बिना किसी कानूनी औपचारिकता को पूरा किए बनाया जा सकता है। बहुत सारी कानूनी औपचारिकताओं के साथ कंपनी सबसे महंगी है।

पूंजी पर विचार: कम मात्रा में वित्त की आवश्यकता

वाले व्यवसाय एकल स्वामित्व और साझेदारी के रूप को प्राथमिकता देते हैं, जबकि बड़ी वित्तीय संसाधनों की आवश्यकता वाली व्यावसायिक गतिविधियाँ कंपनी के रूप को प्राथमिकता देती हैं।

व्यवसाय की प्रकृति: यदि कार्य में व्यक्तिगत ध्यान देने की आवश्यकता होती है जैसे सिलाई इकाई, हेयर कटिंग सैलून, तो इसे आम तौर पर एकल स्वामित्व के रूप में स्थापित किया जाता है। बड़े पैमाने पर विनिर्माण में लगी इकाइयों को कंपनी के रूप में संगठित किए जाने की अधिक संभावना है।

वांछित नियंत्रण की सीमा: एक व्यक्ति जो व्यवसाय पर पूर्ण और विशेष नियंत्रण चाहता है, साझेदारी या कंपनी के बजाय एकल स्वामित्व को प्राथमिकता देता है क्योंकि इन मामलों में नियंत्रण साझा करना पड़ता है।

दायित्व या जोखिम की सीमा: जो परियोजनाएँ बहुत जोखिम भरी नहीं हैं उन्हें एकल स्वामित्व और साझेदारी के रूप में स्थापित किया जा सकता है। जबकि जोखिम भरे उद्यम कंपनी के संगठन के रूप में किए जाने चाहिए क्योंकि अंशधारकों का दायित्व सीमित है।

Why is it important to choose an appropriate form of organisation? Discuss the factors that determine the choice of form of organisation

Ans: There are different forms of business organization. Each form has its own advantages and disadvantages. There is no form which is undisputed. If a businessman chooses the wrong form of business ownership, it can prove to be extremely fatal, to the extent that he and his business may even cease to exist. That is why it becomes necessary for a businessman to choose the appropriate form of business ownership. But selecting the appropriate format depends on several important factors.

The following factors are important in deciding about the form of organization.

Cost and ease of setting up the organization: Sole proprietorship is the least expensive and can be formed without completing any legal formalities. The company is the most expensive one with a lot of legal formalities.

Capital Considerations: Businesses requiring small amounts of finance prefer the sole proprietorship and partnership form, while business activities requiring large financial resources prefer the company form.

Nature of Business: If the work requires individual attention like sewing unit, hair cutting salon, then it is generally set up as

a sole proprietorship. Units engaged in large-scale manufacturing are more likely to be organized as a company.

Degree of Control Desired: A person who wants complete and exclusive control over the business prefers sole proprietorship rather than partnership or company because in these cases control has to be shared.

Degree of liability or risk: Projects that are not very risky can be organized as sole proprietorships and partnerships. Whereas risky ventures should be undertaken in the company form of organization as the liability of the shareholders is limited.

3. एक संयुक्त हिंदू परिवार व्यवसाय एवं साझेदारी में अंतर कीजिए।

उत्तर: संयुक्त हिंदू परिवार व्यवसाय और साझेदारी के बीच अंतर-

1. **अनुबंध** - संयुक्त हिंदू परिवार में बच्चा पैदा होते ही व्यवसाय में अपनी हिस्सेदारी का हकदार हो जाता है, जबकि साझेदारी व्यवसाय शुरू करने से पहले साझेदारों के बीच एक अनुबंध या समझौता करना आवश्यक होता है।

2. **संयुक्त हिंदू पारिवारिक व्यवसाय का पंजीकरण**- पंजीकरण आवश्यक नहीं है, जबकि साझेदारी फर्म का पंजीकरण वैकल्पिक है।

3. **कानूनी औपचारिकताएं** - संयुक्त हिंदू पारिवारिक व्यवसाय के लिए कानूनी औपचारिकताओं की बहुत कम आवश्यकता होती है, जबकि साझेदारी व्यवसाय में फर्म के पंजीकरण के लिए कई कानूनी औपचारिकताएं पूरी करनी पड़ती हैं।

4. **दायित्व** - संयुक्त हिंदू पारिवारिक व्यवसाय में सदस्यों का दायित्व सीमित होता है लेकिन कर्ता का दायित्व असीमित होता है, जबकि साझेदारी व्यवसाय में सीमित दायित्व साझेदारी को छोड़कर साझेदारों का दायित्व असीमित होता है।

5. **ऋण लेना** - संयुक्त हिंदू पारिवारिक व्यवसाय में केवल कर्ता को ऋण लेने का अधिकार होता है, जबकि साझेदारी व्यवसाय में कोई भी भागीदार व्यवसाय के लिए ऋण ले सकता है।

6. **सदस्यों की संख्या** - संयुक्त हिंदू पारिवारिक व्यवसाय में सभी सदस्य व्यवसाय के सदस्य माने जाते हैं। एक साझेदारी फर्म में न्यूनतम दो और अधिकतम 50 साझेदार हो सकते हैं।

7. **मृत्यु का प्रभाव** - संयुक्त हिंदू पारिवारिक व्यवसाय के कर्ता की मृत्यु से परिवार के कामकाज पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है, जबकि साझेदारी में, साझेदार की मृत्यु के कारण साझेदारी व्यवसाय आमतौर पर समाप्त हो जाता है।

8. **पूंजी** - संयुक्त हिंदू पारिवारिक व्यवसाय में पूर्वजों की सम्पत्ति का उपयोग किया जाता है, जबकि साझेदारी फर्म में साझेदारों की सम्पत्ति का उपयोग किया जाता है।

9. **निरंतरता** - संयुक्त हिंदू पारिवारिक व्यवसाय में, कर्ता की मृत्यु के बाद भी व्यवसाय जारी रहता है, जबकि साझेदारी फर्म में, फर्म का अस्तित्व साझेदारों के अस्तित्व से प्रभावित होता है। किसी साझेदार की मृत्यु, पागलपन या दिवालियापन फर्म के अस्तित्व को प्रभावित करता है।

10. **प्रबंधन और नियंत्रण** - संयुक्त हिंदू परिवार कर्ता के प्रबंधन और नियंत्रण में रहता है, जबकि साझेदारी फर्म सभी साझेदारों के प्रबंधन और नियंत्रण में होती है।

Distinguish between a Joint Hindu family business and partnership.

Ans: Difference between a joint Hindu family business and partnership-

1. **Contract** - In a joint Hindu family, a child becomes entitled to his share in the business as soon as he is born, whereas before starting a partnership business, it is necessary to make a contract or agreement between the partners.

2. **Registration**- Registration of Joint Hindu Family Business is not required, whereas registration of Partnership Firm is optional.

3. **Legal Formalities** - There is very little requirement of legal formalities for Joint Hindu Family Business, whereas in Partnership Business, many legal formalities are required to be completed for the registration of the firm.

4. **Liability** - In Joint Hindu Family Business, the liability of the members is limited but the liability of the Karta is unlimited, whereas in the partnership business, the liability of the partners is unlimited except in limited liability partnership.

5. **Taking loan** - In Joint Hindu Family Business, only the Karta has the right to take loan, whereas in partnership business, any partner can take loan for the business.

6. **Number of members** - All the members in a joint Hindu family business are considered members of the business. A partnership firm can have a minimum of two and a maximum of 50 partners.

7. **Effect of death** - The death of the Karta of a joint Hindu family business does not have

any effect on the functioning of the business, whereas in a partnership, the partnership business usually comes to an end due to the death of a partner.

8. Capital - In a joint Hindu family business, the property of the ancestors is used, whereas in a partnership firm, the property of the partners is used.

9. Continuity - In a joint Hindu family business, the business continues even after the death of the owner, whereas in a partnership firm, the existence of the firm is affected by the existence of the partners. The death, insanity or bankruptcy of a partner affects the survival of the firm.

10. Management and control - Joint Hindu family remains under the management and control of the Karta, whereas the partnership firm is under the management and control of all the partners.